

स्राय परा देयाम् १, १, ३. वसु सहस्रेणैव संकृते *dem Tausend nach* VILAKH. 2, 1. यः सहस्रं मनोति 10, 80, 4. VS. 13, 40. 15, 55. 65. सोमो वै सहस्रम-
विन्दत् TS. 7, 1, ७, 1. 3, 22, 1. तदेतत्सहस्रं वक्तुमन्वाकरोष्यदेतदाश्विन-
मित्याचक्षते AIT. Br. 4, 7, 7, 34. हिरण्यं दद्यात्सहस्रं दद्यात्तत्र चतुष्पा-
द्व्यात् 8, 20. त्रिरात्रे सहस्रं ददाति ÇAT. Br. 4, 5, ७, 1. 14. TS. 7, 1, ७, 5. 7.
सहस्रमभिजितो दक्षिणा KĀTJ. Çr. 22, 1, 7. 9. सर्वं वै सहस्रम् ÇAT. Br. 4,
6, 2, 15. 11, 4, 2, 20. KĀND. Up. 4, 4, 5 (auch ३). सहस्रं शताश्वम् *tausend*
Rinder und hundert Rosse ÇĀKH. Çr. 14, 28, 15. 16, 10, 10. LĪTJ. 9, 9, 4.
सहस्रं प्रातरनुवाकमन्वाह PĀNĀV. Br. 16, 8, 3. 21, 1, 1. कस्त्युषं सह-
स्रम् ÇAT. Br. 14, 6, 20, 4. — सहस्रस्य दाता M. 3, 177. सहस्रं (sc. Paṇḍa)
दण्डः 8, 120. 336. 375. 378. 9, 234. Spr. (II) 3836. बलिनी ये सहस्रेणा
AK. 2, 8, 2, 30. त्रीं सहस्राणि RV. 3, 9, 9. 4, 16, 13. 30, 21. ऋष्टि 8, 2, 41.
दशभिः 85, 13. षष्ठिम् 1, 53, 9. ÇAT. Br. 10, 2, 2, 11. 13, 4, 2, 6. 14, 5,
2, 21. शतम् GOMH. 1, 9, 10. ĀÇV. Çr. 9, 4, 3. Spr. (II) 1377. R. 1, 1,
46. du. KĀTJ. Çr. 15, 6, 6. 22, 1, 43. ऋत्रय VARĀH. Bṛh. S. 82, 8. Das
Gezählte steht a) im gen. pl. RV. 1, 30, 2. 4, 32, 17. गवाम् s. 5, 30,
12. AV. 1, 17, 3. ÇAT. Br. 11, 6, 2, 1. चवारि सहस्राणि वर्षाणाम् M. 1,
69. 72. 5, 159. 11, 140. MBu. 1, 7705. 3, 1749. 2656. 9, 407. R. 1, 33, 17.
19. 62, 28. 2, 31, 22. Spr. (II) 6973. VARĀH. Bṛh. S. 2, 22. 11, 5. KATHĀS.
18, 124. PĀNĀT. 43, 21. सहस्रं सहस्राणाम् M. 3, 131. gen. sg.: द्वे सहस्रे
सुवर्णस्य सार्धं RĪGĀ-TAN. 6, 102. जपित्वा त्रीणि गायत्र्याः सहस्राणि so v. a.
dreitausendmal die Gāyatri hergemurmelt habend M. 11, 194. — ß) in gleich-
chem Casus: सहस्रं भिषजः RV. 1, 24, 9. 126, 1. मासः 4, 18, 4. सूर्याः 3, 59,
3. गायत्रीः ÇAT. Br. 10, 3, 2, 2. गावः PĀNĀV. Br. 16, 8, 6. पितृन् Spr. (II)
1300. R. 2, 31, 22. परिवत्सराः RĪGĀ-TAN. 1, 52. Bṛh. P. 8, 2, 28. सन्नप-
रिवेषणम् AIT. Br. 5, 14. श्रावून्सहस्राणि RV. 4, 29, 4. ऋष्यैः सहस्रैः 3, 62,
14. ऋष्येषु सहस्रेषु 1, 29, 2. वृत्राणि सहस्राणि 53, 6. 4, 16, 12. कुञ्जरान्स-
हस्राणि चतुर्दश R. GOMH. 1, 54, 19. सहस्रैर्दक्षैः Verz. d. Oxf. H. 149, b, 41.
fg. रूपे सहस्राण्य RV. 1, 116, 9. सहस्रेण नियुता 135, 1. 8, 4, 6. सहस्राश्व-
पादमुच्चः 5, 2, 7. सहस्रेण बाहुना HARIV. 1873. — γ) in dem von der Con-
struction geforderten Casus, während das Zahlwort in der erstarrten
Form सहस्रम् (vgl. सहस्रमूति) erscheint: सहस्रं पृथिभिः RV. 6, 18, 11.
ऋषिभिः 8, 3, 4. — δ) am Anfange eines comp.: ब्रूती° ÇAT. Br. 10,
4, 2, 23. रात्रि° 4, 4. ऋषभ° KĀTJ. Çr. 22, 11, 5. वर्ष° ÇAT. Br. 14, 6, ७, 10.
युग° M. 1, 73. दश सूनासहस्राणि 4, 86. योनिकोटिसहस्रेषु 6, 63. 11, 207.
MBu. 3, 1720. 2720. 12203. 12229. R. 1, 1, 93 (देश व° zu trennen). य-
ष्टिपुत्रसहस्राणि 5, 2. बहुवर्षसहस्राणि 51, 20. 37, 4. 2, 70, 20. MESH. 54.
Spr. (II) 3876. 6525. AK. 1, 1, 2, 21. Bṛh. P. 4, 30, 17. PĀNĀT. 130, 16.
HIT. 27, 7. सुवर्ण° Verz. in LA. (III) 23, 18. — ε) am Ende eines comp.:
सहस्राद्येन योजितः (रथः) PĀNĀR. 1, 11, 17. °वक्रसंसक्त ebend. In einem
adj. comp. geht das Zahlwort regelmässig voran. — Am Ende eines
adj. comp. (f. स्त्री): वृषभैकसहस्रा गाः so v. a. *tausend Kühe und einen*
Stier M. 11, 127. JĀGĀ. 3, 266. दशकिष्कुसहस्रा (सभा) MBu. 2, 20. टङ्कस-
हस्रसुवर्णम् Verz. in LA. (III) 24, 4. ऋध्वर्ध°, द्वि° = °साहस्र P. 5, 1, 29,
Schol. — b) m.: षट्सहस्रा रथिनः MBu. 3, 15598. 9, 407. पाशान् षट्सहस्रान्
HARIV. 6833. सहस्रा विंशतिः ÇATR. 14, 93. fg. — 3) f. स्त्री *eine best. Pfanze*,
= ऋष्वष्टा Bṛh. P. im ÇKDā. — Vgl. गोसहस्री, परःसहस्र, परि°, श-
त° (pl. Spr. (II) 6973), षट्सहस्र, षोडश°, सै° von Tausend begleitet RV.

7, 8, 6 und साहस्र.

1. सहस्रक (von सहस्र) 1) n. Tausend H. 658. रत्नानाम् PĀNĀR. 1, 4,
49. दासीनाम् 50. वर्ष° HARIV. 531. नाम° Verz. d. Oxf. H. 99, a, 16. fg.
vielleicht so v. a. नाम°: त्रयन्सहस्रकम् PĀNĀR. 3, 9, 9. — 2) adj. am
Ende eines comp. (f. स्त्री): बहुवर्ष° *viele Tausend Jahre während* MBu.
3, 6057. 13, 1316. R. 1, 31, 10. PĀNĀR. 1, 2, 4. पुत्रसहस्रिका *tausend Söhne*
habend MBu. 12, 948. तं जपेन्मन्त्री दिवाकरसहस्रकम् *etwa die tausend*
Namen der Sonne enthaltend Verz. d. Oxf. H. 105, b, 30. मूलमन्त्रं जपे-
न्मन्त्री नित्यमष्टसहस्रकम् 27: vgl. स्तोत्रं सहस्रनामाष्ट्यं साष्टोत्तरम् 90, a,
4. 5. सहस्रनाममङ्गलम् । षष्टोत्तरशतम् 89, b, 35. — ऋध्वसहस्रकी MBu. 3,
5037 fehlerhaft für °सहस्रकी, wie die ed. Bomb. liest. — Vgl. स-
हस्रिका.

2. सहस्रक (सहस्र + 3. क) adj. *tausendköpfig* JĀGĀ. 3, 119.

सहस्रकर m. *die Sonne (tausendstrahlig)* VARĀH. JOCAS. 1, 1. KATHĀS.
120, 44.

सहस्रकरपत्रेज्ज adj. *tausend Hände, Füße und Augen habend* JĀGĀ.
3, 119.

सहस्रकाण्ड 1) adj. s. u. 1. काण्ड 1). — 2) f. स्त्री *eine weiss blühende*
Dürvā Rīgān. im ÇKDā.

सहस्रकिरण m. 1) *die Sonne (tausendstrahlig)* HALĀS. 1, 35. Spr. (II)
7050. VARĀH. Bṛh. S. 42, 13. PĀNĀT. ed. orn. 57, 13. — 2) N. pr. eines
Mannes Verz. d. Oxf. H. 227, a, 27.

सहस्रकुपाय s. u. कुपाय.

सहस्रकुलम् adv. *tausendmal* M. 2, 79.

सहस्रकेतु adj. *tausendgestaltig* RV. 1, 119, 1.

सहस्रगु 1) adj. *tausend Kühe besitzend* M. 11, 14. — 2) m. *die Sonne*
(tausendstrahlig) VARĀH. Bṛh. S. 28, 18.

सहस्रगुण adj. *tausendfach, vertausendfacht* RAEM. 1, 18. davon nom.
abstr. °ता f. RĪGĀ-TAN. 4, 501.

सहस्रगुणित adj. dass. Spr. (II) 4342, v. 1.

सहस्रघ्नि adj. *tausend tödtend* AV. 14, 2, 12. wohl °घ्नि zu lesen.

सहस्रचक्षुस् und °चक्षु s. u. चक्षुस् und चक्षु.

सहस्रचक्षुस् adj. *tausendäugig*, m. ein N. Indra's R. 2, 1, 35. VARĀH.
Bṛh. S. 43, 58.

सहस्रचरण adj. *tausendfüßig*: Viṣṇu MBu. 5, 3827. R. 6, 102, 22.

सहस्रचित्प m. N. pr. eines Fürsten MBu. 13, 6264. 15, 543. fgg.

सहस्रचेतस् s. u. चेतस्.

सहस्रजित् 1) adj. *tausend besiegend, — gewinnend* RV. 1, 188, i. 5,
26, 6. 9, 55, 4. 78, 4. 84, 4. — 2) m. a) ein N. Viṣṇu's H. c. 66. — b)
N. pr. eines Fürsten, wohl = सहस्रचित्प MBu. 12, 8605. ein Sohn
Jadu's (vgl. सहस्रद) VP. 4, 11, 3. Kṛṣṇa's Bṛh. P. 10, 61, 11. Vgl.
सहस्राजित्.

सहस्रज्योतिस् m. N. pr. eines Sohnes des Subhṛāḡ MBu. 1, 44. fg.

सहस्रणी m. *Führer von Tausend oder Tausenden* Bṛh. P. 1, 9, 30.
3, 18, 21.

सहस्रणीति adj. *der tausend Mittel und Wege hat* RV. 9, 71, 7.

सहस्रणीथ s. u. नीथ.

सहस्रतम (von सहस्र) adj. (f. ई) *der tausendste* P. 5, 2, 57. TS. 5, 3, 2,